

क्रमांक/राज/99/65

दिनांक:- 2/7/88

:-: आदेश :-:

राज्य सरकार के राजस्व ग्रुप-8 विभाग राजधान जयपुर के द्वारा क्रमांक 3/1/87/38/राज/8/73 दिनांक 8.5.81 के द्वारा जैसलमेर जिले में राष्ट्रीय मरु उद्यान की स्थापना हेतु अधिभूचना वन्य प्राणी अधिनियम 1972 की धारा 35(1) के तहत जारी कि गई है। उक्त अधिभूचना के अन्वय में उक्त अधिनियम की धारा 21 के तहत जिला कलेक्टर जैसलमेर के द्वारा उक्त कार्यालय की विज्ञापित क्रमांक राजस्व/ 81/3105 दिनांक 8.9.81 के द्वारा घोषणा जारी कि गई थी। इस विज्ञापित में दर्शित सीमाओं में घोषित राष्ट्रीय मरु उद्यान क्षेत्रों में स्थित भूमि के सम्बन्ध में यदि कोई व्यक्ति अपना अधिकार स्थापित करना चाहता है तो वह अपनी लिखित उजरदारी निर्धारित प्रपत्र में इस विज्ञापित के प्रकाशन के दिनांक से 2 माह की अवधि के भीतर जिला कार्यालय में प्रस्तुत कर सकता है। उक्त विज्ञापित का प्रचार प्रसार जिला कार्यालय द्वारा कराया गया। उक्त विज्ञापित में अधिभूचित/धोषित क्षेत्र में तहसील जैसलमेर एवं फतेहगढ़ के राजस्व ग्राम क्रमशः 28 व 6 कुल 34 ग्राम आये हुये हैं। जिसका क्षेत्रफल लगभग 1962 वर्ग किलो मीटर है। धारा 19 में वर्णित अधिकारों के सम्बन्ध में निर्धारित प्रपत्र संख्या 9 में लगे आमर्श किये गये जिसके सन्दर्भ में 399 क्लेम उक्त क्षेत्र के ग्रामवासियों द्वारा प्रस्तुत किये गये। राष्ट्रीय मरु उद्यान क्षेत्र तत्पश्चात राज्य सरकार द्वारा विधानसभा में दिये गये अध्यात्म के मुताबिक 1/10 किया जाकर लगभग 300 वर्ग कि०मी० क्षेत्र में उद्यान की स्थापना करने का निर्णय किया गया। उक्त प्रस्तावित क्षेत्र में कुल 9 राजस्व ग्राम आते हैं। जिसमें से ग्राम निम्बा, गांगा, बीदा, मेहसूबा का पार एवं मण्डो की कती का सम्पूर्ण क्षेत्र, ग्राम कनोई का अर्ध क्षेत्र एवं ग्राम तगरों की कती तथा जगडा का अधिकांश क्षेत्र आया हुआ है। अधिनियम 1972 के तहत उद्यान क्षेत्र में भूमि अधिभूचना की कार्यवाही अपेक्षित है।

राज्य सरकार के वन विभाग में आदेश क्रमांक/11/85/फोरेस्ट 97 दिनांक 10.2.98 के द्वारा निम्न प्रवाधिकारी को राजधान वन्य प्राणी अधिनियम 1972 की धारा 19 से 22 तक की शक्तियां एवं कार्यवाही करने के लिए राज्य सरकार द्वारा सशक्त किया गया है। राष्ट्रीय मरु उद्यान क्षेत्र में जाने वाले भूमि स्वामी स्थित आतेदार/गेरखातेदारी/आबादी भूमि/गोचर भूमि एवं तात्विक संसाधनों का निगरान प्राप्त हुआ जो परिशिष्ट "ए" पर है।

इस कार्यालय के मरु अध्यावरण के सम्बन्ध में जारी आदेश क्रमांक/राज/98/19 दिनांक 19.8.98 द्वारा अधिकारों का विनियम/निर्धारण निम्न प्रकार से किया गया है।

राज्य सरकार अधिनियम 1956 एवं राजस्थान कृषककारी अधिनियम 1955 के अन्तर्गत ग्रामीणों को पशु अधिकारों/सुखाचारों का उपयोग उनके द्वारा निष्पादित किया जाना रहेगा।

उक्त अधिनियम अधिनियम 1972 की धारा 20 के तहत उक्त क्षेत्र में स्थित भूमि पर नये अधिकारों के उत्पन्न होने पर रोक है किन्तु इस मामले में नये अधिकारों का उल्लेख किया जा चुका है। इस क्षेत्र के निवासीयानों की आर्थिक स्थिति को कृषि एवं पशुधारा पर निर्भर है तथा इस क्षेत्र में गेरखातेदारों का अधिकार भी स्थित है एवं उक्त भूमि कृषककारियों को कृषि प्रयोजन के लिए जो 10 वर्षों से अधिक का समय व्यतीत हो चुका है व खातेदारी अधिकार प्राप्त करने के अधिकारी हो चुके हैं। तथा उक्त अधिकारों के आभाव में कृषककारियों आदि की सुविधाओं प्राप्त करने से वंचित है स्वी स्थिति में इस क्षेत्र में आये हुए गेरखातेदारों को उनके द्वारा आवंटन आदेश की शर्तों का पालन करा गया है एवं वे खातेदारी अधिकार प्राप्त करने के अधिकारी हो गये हैं। खातेदारी अधिकार प्राप्त करने हेतु राज्य सरकार के स्तर से उचित निर्णय लिया जाना प्रस्तावित है।

उक्त भूमि भूमि पर ग्रामवासीयों तथा पंचायतों को प्राप्त सार्वजनिक तथा जमीनी अधिकारों सुखाचारों & Easementary Rights का उपयोग/उपयोग करने, विक्रय करने का पूर्ण अधिकार होगा।

अभ्यारण की उद्घोषणा के पूर्व बनाये गये एवं वर्तमान में स्थित सार्वजनिक सार्वजनिक भूमियों तथा गोचर,ओरण आदि जो राजस्व रेकॉर्ड में दर्ज है का उपयोग करने का ग्रामवासीयों को स्वतन्त्र अधिकार होगा।

उक्त क्षेत्र में स्थित धार्मिक स्थलों पर पुजा/अर्चना/इबादत करने का उक्त क्षेत्र में निवास करने वाले ग्रामवासीयों तथा बाहर से आने वाले दर्शनार्थियों को पूर्ण अधिकार यथावत रहेगा।

उक्त क्षेत्र में स्थित सार्वजनिक कुओं, तालाबों, नाली, नदीयाँ व पार में ग्रामवासीयों को पानी पीने एवं पशुओं का पानी पिलाने के यथावत रहेगा।

उक्त क्षेत्र में कृषि भूमि का आवासीय प्रयोजनार्थ स्थान्तरण करवाने का ग्रामवासीयों को पूर्ण अधिकार होगा किन्तु आवासीय भिन्न प्रयोजनार्थ स्थान्तरण करवाने से पूर्व वन विभाग की अन्नापति प्रमाण पत्र प्राप्त किया जाना आवश्यक है।

उक्त क्षेत्र में आई आई राजकिय भूमियों के सार्वजनिक,सांख्यिक एवं औद्योगिक प्रकृति के कार्य हेतु आवंटन से पूर्व वन विभाग का अन्नापति प्रमाण पत्र प्राप्त करना आवश्यक होगा।

उक्त क्षेत्र में निवास करने वाले ग्रामवासीयों को अपने निजी उपयोग हेतु इस क्षेत्र में उपलब्ध उच्च गुणवत्ता का उपयोग, खनिज विभाग की स्वीकृति से करने का पूर्ण अधिकार होगा। किन्तु खनिज प्रकृति में बरस, लिफ्ट, फोटोक पदार्थ का इस्तेमाल नहीं किया जायेगा। एवं नदी इस प्रकार का कोई कार्य किया जायेगा जिसके परत रूप अभ्यारण को स्थापना के उद्देश्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़े।

उक्त क्षेत्र के निवासीयों को अभ्यारण क्षेत्र में अपनी मवेशी को रखने एवं उनके गोशालाओं/गोचर क्षेत्र में चराने करने के पूर्ण अधिकार यथावत रहेगा।

अभ्यारण क्षेत्र में अधिष्ठा अधिनियम 1972 एवं भू विज्ञान विभाग जैतपुर के अधिष्ठा के अनुसार तालाबों के विपुल भण्डार है एवं उक्त क्षेत्र को दोहन किया जाना राजकिय विभाग में है किन्तु उक्त क्षेत्र में अभ्यारण एवं नेशनल पार्क प्रयोजन क्षेत्र में आया हुआ है जिसके सम्बन्ध में राज्य सरकार के उचित स्तर पर सम्बन्धित निर्णय किया जाना उचित होगा।

1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11

25	631	4729	32768.13	3700.13	2336.07	64.03	1.10	1668.00	24795.18
26	63	556	16896.10	217.15	580.19	31.09	-	443.08	15622.19
27	186	2437	25237.17	479.10	114.16	-	353.10	515.02	23591.19
28	365	580	43994.16	3218.15	622.17	133.15	-	1543.00	38473.
29	1844	17002	152285.00	13571.00	2234.00	315.00	371.00	5129.00	133655.00
30	461	12032	50195.00	5070.00	1201.00	176.00	361.00	1523.00	41664.00
31	423	6526	42777.00	3411.00	-	113.00	-	2157.00	37095.0
32	64	1124	21966.00	3622.00	-	-	-	326.00	19043.00
33	651	110370	9188.00	6107.00	-	102.00	-	2205.00	774.00
34	679	6500	13231.00	2071.05	-	422.05	-	212.05	1052

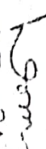
10107 191176 1160550.02 112991.07 19324.16 3505.11 14034.03 43866.07 910820.02

LN

34 808 4731

808011

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
1. नम	1125	1500	7726.00	1084.00	305.00	-	485.00	-	595.20	1833.80/-		
2. नगरी की कमी	732	3500	3676.00	702.00	186.00	-	465.00	-	2363.00	11721.60/-		
3. नगरी की कमी	145	150	15672.00	1355.00	84.00	-	379.00	-	13855.00	18994.80/-		
4. नगरी	216	1200	37048.00	1681.00	1451.00	39.00	-	469.00	33408.00	41342.00/-		
5. नगरी	1371	1653	8003.13	504.16	256.15	-	478.00	2422.14	36.19	1005247/-		
6. नगरी	631	4729	32768.13	3700.13	2336.07	64.03	1.10	1358.00	24798.00	8348065/-		
7. देवद्वार का पट्टा	63	556	16896.10	217.15	580.19	31.09	-	445.08	15622.13	1102721/-		
8. नगरी	186	2457	25237.17	479.10	114.16	-	-	33.10	515.02	20592.19	620.79/-	
9. नगरी	365	580	43994.16	3218.15	622.17	133.15	-	15.30	38475.14	11163/-		
10. नगरी	4914	16305	191062.14	12943.09	5937.14	269.07	180.09	7726.00	15006.11	256.27	035/-	


 3405-3724777
 नगरी